



गतिविधि 11. अभिभावक बच्चों से बातचीत करें।

क्या आपने ध्यान दिया है की मम्मी दाल, चावल, या छोले बनाने से पहले रात भर पानी में भिगो देती हैं।
वह ऐसा क्यों करती होंगी?

क्या सभी सख्त चीज़ों को पानी में भिगोकर गरम किया जा सकता है? यदि हाँ तो कुछ के नाम बताओ
यदि नहीं तो कुछ के नाम बताओ.....
बच्चों कुछ चीजें जैसे— कील, गता, सीमेंट का टुकड़ा, मिट्टी का ढेला, मोमबत्ती, चाक, साबुन,
पेन पेंसिल को रात भर पानी में भिगो देना और सुबह उठकर देखना क्या—क्या बदलाव आये हैं।

कक्षा- 2, वर्क शीट-5 (साप्ताहिक)

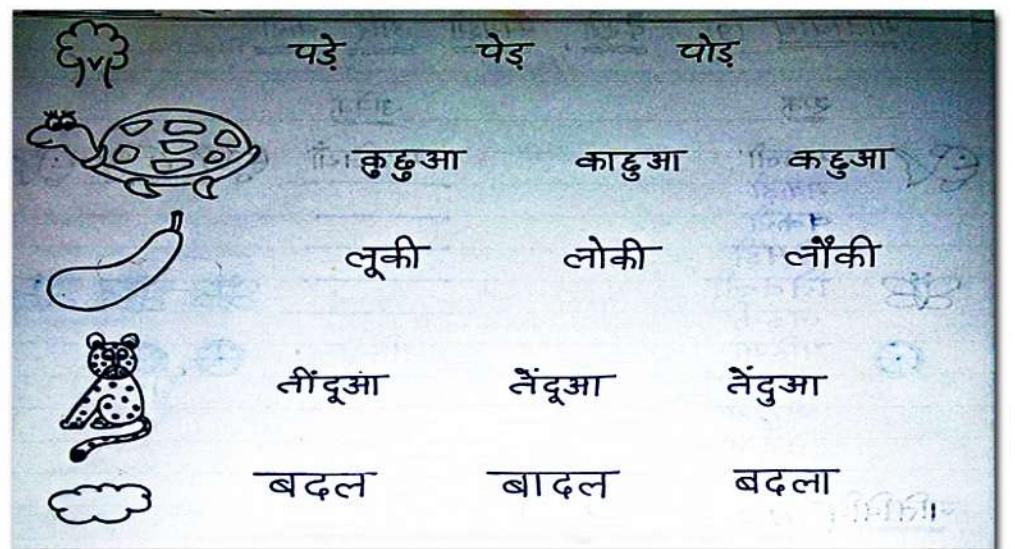
पाठ- 5 (दोस्त की मदद)

बच्चे का नाम.....	स्कूल.....
अभिभावक का नाम.....	मोबाइल नम्बर.....

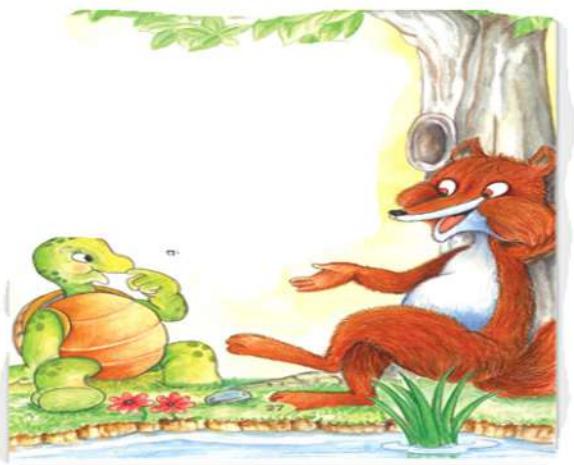
अभिभावकों के लिए— हम आशा करते हैं कि आप या घर का कोई भी सदस्य इस वर्क शीट के कार्य को पूरा करने में बच्चे की मदद करेंगे।



गतिविधि 12. नीचे दी गई गतिविधि में चित्र को देखकर चित्र के सही नाम पर गोला बनाओ।



गतिविधि 1. बच्चों के साथ आपने आस-पास घर पर दिखने वाले जानवरों पर बात करें। फिर उन्हें यह चित्र दिखाते हुए उनसे इस पर खूब सारी बातचीत करें जैसे चित्र में क्या—क्या दिख रहा है? ये दोनों ऐसे क्यों बैठे होंगे? चित्र में कछुआ और लोमड़ी आपस में क्या बातें कर रहे होंगे? आप अपने दोस्तों के साथ क्या—क्या बात करते हो? कछुए की तरह ही और कौन—कौन से जीव हैं जो पानी और ज़मीन दोनों ही जगह रहते हैं? सामने दिए गए चित्र से सम्बंधित कोई भी तीन बातें लिखो।



गतिविधि 13. बच्चों सोचो, बताओ और उनका नाम भी लिखो कि कछुए की तरह ही और कौन—कौन से जीव हैं जो पानी और ज़मीन दोनों ही जगह रहते हैं।

वर्कशीट निर्माता—

सह अध्यापक
गायत्री चौरसिया, शिल्पा त्यागी, हेमन्त चौहान
रा प्रा वि कलहनपुर, रा प्रा वि चौली बस्ती



गतिविधि 2. नीचे दिए गए शब्दों को पढ़ो और खाली जगह में शब्दों को उचित ढंग से लिखो।

पुरुष	शेषनाग	आभूषण	कृषक	ऋषभ
.....
.....
.....



गतिविधि 3. नीचे दिए गये शब्दों को 'र' वर्ण लिखकर पूरा करो तथा सस्वर उच्चारण करो।

वव.....	सु.....मा	पो.....ण	वि.....म	वि.....य
विशे.....	पो.....क	शे.....क	आयु.....	घो.....ण



गतिविधि 4. नीचे दिए गए चित्रों को पहचानों और उनका मिलान उनके नाम से करो।

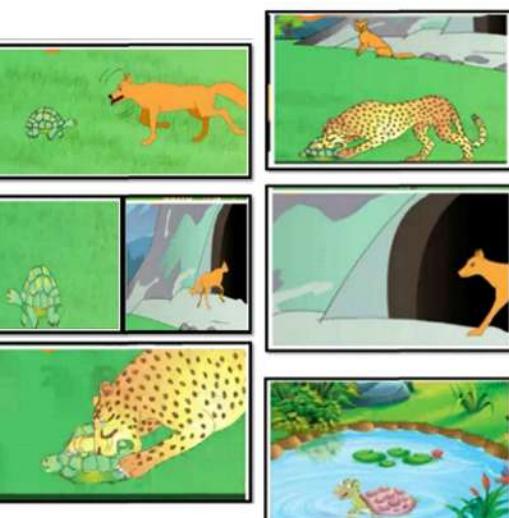


गतिविधि 5. बच्चों नये शब्द बनाओ, उन्हें लिखो और साथ में पढ़ो।



गतिविधि 6. अभिभावक नीचे लिखी गई कहानी को धाराप्रवाह के साथ पढ़कर बच्चों को सुनाएं।

किसी तालाब में एक कछुआ रहता था। तालाब के पास माँद में रहने वाली एक लोमड़ी से उसकी दोस्ती हो गई। एक दिन दोनों आपस में बातचीत कर रहे थे कि अचानक एक तेंदुआ वहाँ आया। दोनों वहाँ से जान बचाकर भागे। लोमड़ी तो सरपट दौड़ती हुई अपनी माँद में पहुँच गई, किंतु धीमी चाल के कारण कछुआ तालाब तक नहीं पहुँच पाया। तेंदुए ने छलांग लगाकर कछुए को पकड़ लिया। तेंदुए ने अपने दाँतों तथा नाखूनों से उसे खाना चाहा, किंतु सफल नहीं हो पाया। क्योंकि कछुए की खोल बहुत मोटी थी। उसके सख्त खोल पर खरोंच तक नहीं आई। लोमड़ी अपनी माँद से यह सब देख रही थी। उसने कछुए को बचाने की एक तरकीब सोची। उसने तेंदुए से कहा—तेंदुआ जी, कछुए की खोल को तोड़ने का सबसे आसान तरीका यह है कि इसे पानी में फेंक दो। पानी में इसका खोल नरम हो जाएगा। चाहे तो आजमाकर देख लो। तेंदुए ने लोमड़ी की बात मानकर कछुए को पानी में फेंक दिया। इस प्रकार कछुआ पुनः पानी में पहुँच गया और उसकी जान बच गई।



गतिविधि 7. अभिभावक बच्चों से नीचे दिये गए प्रश्न पूछें और उन्हें उत्तर लिखने के लिए प्रेरित करें।

प्रश्न 1— कछुए की दोस्ती किससे हुई?

उत्तर —

प्रश्न 2— तेंदुए ने छलांग लगाकर किसे पकड़ लिया?

उत्तर —

प्रश्न 3— कछुए की खोल कैसी थी?

उत्तर —

प्रश्न 4— अंत में कछुए की जान कैसे बची?

उत्तर —



गतिविधि 8. बच्चों नीचे दी गई गतिविधि को ध्यान से पढ़ें और उसे लिखें।

निम्नलिखित चीज़ों में से कौन—कौन सी चीज़ें पानी में फेकने के बाद मुलायम हो जाएँगी इनमें से छांट कर सही जगह लिखो।

कागज, लकड़ी, गिलास, रोटी, बिस्कुट, प्लेट, पत्ता, रुई, पापड़

मुलायम हो जाएँगी

.....
.....
.....
.....
.....
.....

मुलायम नहीं होंगी

.....
.....
.....
.....
.....
.....



गतिविधि 9. अभिभावक बच्चों को नीचे दी कियाओं को पढ़कर उनके सामने सम्बंधित जानवरों के नाम लिखाने में बच्चों की मदद करें।

फुदक फुदक कर—

चौकड़ी भरकर—

छलांग लगाकर—

रेंग—रेंग कर—



गतिविधि 10. अभिभावक बच्चों को नीचे दिए गए वाक्यों में खाली स्थान पर उचित शब्द को भरने को कहें।

- जब तेंदुआ आया तब कछुआ और लोमड़ी कर रहे थे। (झगड़ा/गपशप)

- दोनों दोस्त से अपनी जान बचाकर भागें। (शेर/ तेंदुए)

- कछुए की चाल(धीमी/ तेज) थी। और लोमड़ी की चाल(धीमी/ तेज) थी।

- कछुए को(पकाने/ खाने) के लिए तेंदुए ने पूरा जोर लगा दिया।

- लोमड़ी की.....(गाने/ तरकीब) से कछुए की जान बच गयी।